दृष्टि The Vision

drishti

# निबंध ( ESSAY )

निर्धारित समय: 3 घंटे
*Time allowed: 3 Hours*

अधिकतम अंक: 250
*Maximum Marks: 250*

**Name:** Mithlesh _____ **Mobile Number:** _____

**Medium (English/Hindi):** _____ **Email:** _____

**Center & Date:** _____ **UPSC Roll No.:** _____

**प्रश्नपत्र संबंधी विशेष अनुदेश**

**( प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें )**

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिये।

उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिये।

**QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS**

**(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)**

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Answer Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Answer Booklet must be clearly struck off.

| | निबंध विषय संख्या (Essay Topic No.) | अंक (Marks) |
|---|---|---|
| खंड-A Section-A | | |
| खंड-B Section-B | | |
| सकल योग (Grand Total) | | |

_____

मूल्यांकनकर्त्ता ( हस्ताक्षर )

*Evaluator (Signature)*

_____

पुनरीक्षणकर्त्ता ( हस्ताक्षर )

*Reviewer (Signature)*

## Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation



उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

"भूगोल यथावत रह सकता है, परन्तु इतिहास नहीं।"

भूगोल यथावत रहता है. किन्तु इतिहास में परिवर्तन निरंतर होता है। मानव सभ्यताओं के अस्तित्व में आने के पश्चात् इतिहास में क्रमिक रूप से परिवर्तन देखने को मिलते हैं जैसे मानव के द्वारा हड़प्पा सभ्यता, रोमन, मिस्त्र तथा बेबीलोनियन और ~~मेसोपोटामिया~~ मेसापोटामिया की सभ्यताओं की स्थापना अपने प्रारंभिक चरणों की तत्पश्चात् युद्धों तथा प्रवासों ने इतिहास को निरंतर प्रभावित किया।

वास्तुतः हम देखते हैं कि भारतीय इतिहास में हड़प्पा सभ्यता से वर्तमान



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

काल तक निरंतर परिवर्तन हुए हैं किन्तु भारत की भौगोलिक स्थिति आज भी वही बनी हुई है।

हड़प्पा सभ्यता में नगर नियोजन, मूर्ति निर्माण कला तथा प्रकृति की पूजा जैसे तत्व नजर आते हैं। तत्पश्चात् आर्यों का आगमन होता है और ऋग्वैदिक एवं उत्तरवैदिक काल में पशुचारण संस्कृति तथा स्त्रियों की स्थिति में परिवर्तन एवं यज्ञ प्रणाली नजर आती है।

मनुष्य की परिवर्तनशील प्रकृति निरंतर नई-नई विचारधाराओं को जन्म देती है। कृषि पद्धति का विकास होने के कारण राजव्यवस्थाओं का प्रचलन शुरू होता है।

इसी प्रक्रिया में भूमि पर अधिकार हेतु युद्धों का होना तथा



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

तथा राजव्यवस्थाओं के भू-भाग में निरंतर परिवर्तन से नई-नई संस्कृतियों का जन्म होता है।

भारत में सिकंदर के आगमन के पश्चात् शक, कुषाण, हूण आए तथा अपने साथ नए मूल्यों को लाए और नई व्यवस्थाओं को जन्म दिया। इस्लाम धर्म के आगमन ने दिल्ली सल्तनत, मुगलकाल की स्थापना की। तत्पश्चात् अंग्रेज आए जिन्होंने इतिहास के आधुनिक काल की स्थापना की।

इतिहास में मनुष्य के हस्तक्षेप के कारण निरंतर परिवर्तन हुआ है। इतिहास एक जैसा कभी नहीं रहता है किन्तु भूगोल में यथास्थिति बनी रहती है। वैश्विक स्तर पर भी ऐतिहासिक सभ्यताओं



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

का निरंतर विकास हुआ किन्तु युद्धों, आक्रमणों तथा बाहरी लोगों के हस्तक्षेप ने इतिहास को सदा ही परिवर्तित किया है।

नई-नई खोजों तथा पद्धतियों के प्रचलन ने मानवीय गतिविधियों तथा आर्थिक क्रियाकलापों के साथ राजनीतिक एवं सामाजिक व्यवस्थाओं में नए-नए परिवर्तनों का समावेश किया जिसके नई व्यवस्थाओं का जन्म हुआ।

यद्यपि भूगोल यथावत रहता है किन्तु भूगोल में भी प्राकृतिक संतुलन प्राप्त करने की दशा निरंतर तथा धीमी गति से चलती है जिसे हम देख नहीं पाते हैं तथा इतिहास में भी निरंतर परिवर्तन होता रहता है किन्तु इतिहास की कुछ विशेषताएँ हमें आज भी अपने समाजों में देखने



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

को मिल जाएंगी। इतिहास तथा भूगोल दोनों में स्थायित्व तथा परिवर्तन बना रहता है किन्तु सभी पक्षों में नहीं।

"यूनान, मिस्त्र, रोमाँ मिट गए सभी जहाँ से।
किन्तु हस्ती ऐसी है हमारी कि मिटती नहीं।"

यूनान, मिस्त्र तथा रोमन साम्राज्य की विशेषताएँ वर्तमान में नजर नहीं आती हैं किन्तु हमारी सभ्यता आज भी जीवंत बनी हुई है। मूर्तिपूजा, प्रकृति पूजा, आदियोगी तथा नगर निर्योजन प्रणाली आज भी हमें अपनी सभ्यता तथा संस्कृति में नजर आती है।

सर्वधर्म समभाव: तथा सहिष्णुता की विशेषता ने हमारे समाज को लचीला बनाया है जिसके हमारी उपयोगी प्रणालियाँ आज भी समाज द्वारा



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अपना रखी है। किन्तु वर्तमान में तकनीक के विकास ने मानव सक्रियताओं की परिवर्तन की गति को बहुत तीव्र कर दिया है प्राचीनकाल में जिन परिवर्तनों को होने के लिए लगभग 500 साल लग जाते थे, आज वे परिवर्तन हमें 10 साल में नजर आने लगते है।

इतिहास में परिवर्तन की गति बहुत तीव्र हो गई है। जबकि भूगोल में यथावत रहने की क्षमता है किन्तु भूगोल हमेशा यथावत नहीं रहता है इसमें भी निरंतर परिवर्तन होते रहते है किन्तु धीमी गति से।

'परिवर्तन ही प्रकृति का नियम है।' इसलिए संतुलन की दशा को प्राप्त करने के लिए यह निरंतर जारी रहता है। सूर्यातिक तथा समार्यातिक संतुलन



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हेतु बाह्य एवं आंतरिक बल पृथ्वी को निरंतर प्रभावित करते है।

पृथ्वी के निर्माण के पश्चात् विभिन्न गैसों की उत्पत्ति, जल का अस्तित्व में आना तथा जीवन की उत्पत्ति जैसे परिवर्तन निरंतर होते रहे है। पृथ्वी पर शुरूआत में एक भूखंड जिसे पैंजिया के नाम से जाना जाता था वह पैंथालासा नामक महासागर से घिरा हुआ था।

विभिन्न बलों ने महाद्वीपीय विखंडन तथा विस्थापन को प्रेरित किया जिसकी खोज जर्मन भू-वैज्ञानिक वेगनर ने की तथा सबूतों के माध्यम से साबित किया कि उत्तरी अमेरिका तथा यूरेशिया पैंजिया के भाग अंगारालैंड के विखंडन से उत्पन्न हुए और विस्थापन के कारण आज की अवस्थिति प्राप्त की वही



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका, आस्ट्रेलिया तथा भारत पैंजिया के गोण्डवानालैंड के भाग है तथा भारत का उत्तर की ओर प्रवाह होने के पश्चात् यूरेशिया एवं इंडो-आस्ट्रेलियन प्लेट के आभिसारी संचलन के कारण हिमालय की उत्पत्ति हुई और भारत ने अपनी वर्तमान भौगोलिक दशा को प्राप्त किया।

यद्यपि महाद्वीपीय विस्थापन के पश्चात् भी भौगोलिक दशाओं में परिवर्तन निरंतर जारी है जिसका प्रमाण प्लेट टेक्टोनिक सिद्धान्त ने दिया है। प्राचीनकाल से वर्तमान काल तक भूगोल तथा इतिहास की परिवर्तन की दर निरंतर बनी रही है।

किन्तु मानवीय हस्तक्षेप ने तकनीक का प्रसार तथा संसाधनों के दोहन को बहुत बढ़ा दिया है जिसके इतिहास तथा भूगोल में परिवर्तन की


www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

दर में वृद्धि हुई है। पृथ्वी पर संरचनाओं के निर्माण में तीव्र परिवर्तन तथा मानवीय मूल्यों की प्रकृति में निरंतर परिवर्तन ने इतिहास में परिवर्तन की गति को तीव्र किया है।

वही मानवीय हस्तक्षेप से उत्पन्न जलवायु परिवर्तन ने क्षेत्रों की भौगोलिक दशाओं में परिवर्तन लाया है। वर्षा प्रतिरूप तथा जैव विविधता में निरंतर परिवर्तन दिखाई दे रहे है।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि परिवर्तन ही प्रकृति का सत्य है जो निरंतर जारी रहता है। कोई भी वस्तु या विशेषता यथावत नहीं बनी रहती है। परिवर्तन की दर में विभिन्नता हो सकती है। कुछ चीजों में परिवर्तन की दर धीमी रहती है तथा कुछ में तीव्र, किन्तु परिवर्तन निरंतर जारी रहता है।


www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वास्तुत: इतिहास तथा भूगोल दोनों ही परिवर्तनशील है। भूगोल में परिवर्तन की गति धीमी रही है तथा इतिहास में यह गति तीव्र नज़र आती है। वर्तमान में मानवीय हस्तक्षेप ने इतिहास तथा भूगोल दोनों में परिवर्तन की दर को तीव्र कर दिया है।


www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Section - B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

"प्रवासन जब अच्छी तरह से प्रबंधित होता है, तो यह हमारे समुदायों, अर्थव्यवस्था और देश के लिए सर्वोत्तम हित में काम करता है।"

प्रवासन का इतिहास उतना ही पुराना है जितना मानव का अस्तित्व है। पहला मानव तंज़ानिया (अफ्रीका) में पैदा हुआ, उसी से उत्पन्न संतति ने विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में प्रवास किया और आज मानव पृथ्वी के लगभी क्षेत्रों में निवासरत है।

तकनीक के प्रसार ने मानव को अंतरिक्ष में पहुँचा दिया है तथा मनुष्य आज मंगल पर मानव बस्तियों के


www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

निर्माण की कल्पना कर रहा है। किन्तु जब यह प्रवास अच्छी तरह से प्रबंधित होता है तो संसाधनों के अनुकूलतम उपभोग को बढ़ावा देता है जिससे समुदायों के कल्याण के साथ-साथ अर्थव्यवस्था का विकास संभव हो पाता है।

संसाधनों की उपलब्धता ने मानवीय प्रवास को प्रभावित किया है। प्राचीनकाल से वर्तमान तक हम विश्लेषण करे तो पाते हैं कि संसाधनों की प्राप्ति हेतु ही मानव ने प्रवास किया तथा जब उसके प्रवास में विरोध एवं बाधाएँ उत्पन्न हुई तो उसने युद्धनीति को अपनाया।

भारत में संसाधनों की बहुलता ने हमेशा से ही लोगों को आकर्षित किया है जैसे प्राचीनकाल में



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

आर्य, यूनानी, शक, हुण, कुषाण, हूण आदि तत्पश्चात् मध्यकाल में तुर्क, अरबी समुदाय का आगमन हुआ।

यूरोप में पुनर्जागरणकालीन परिस्थिति ने नई खोजों को बढ़ावा दिया और कोलंबस ने 1492 में अमेरिका की एवं वास्को-डी-गामा ने 1498 में भारत की खोज की। तत्पश्चात् डच, ब्रिटिश एवं फ्रांसीसी भारत आए और अंग्रेजों ने अपनी औपनिवेशिक रणनीति के तहत विश्व के बहुल क्षेत्र पर संसाधनों की प्राप्ति हेतु अपना आधिपत्य स्थापित किया।

द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात् औपनिवेशिक व्यवस्थाएँ समाप्त हुई और तेल की खोज ने प्रवास को खाड़ी देशों की तरह उन्मुख किया और 1991 के पश्चात् भारत में उदारीकरण तथा वैश्वीकरण के



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रसार तथा संचार क्रांति के उदय ने लोगों को विकसित देशों जैसे अमेरिका, आस्ट्रेलिया एवं यूरोपीय देशों की ओर जाने के लिए आकर्षित किया।

वस्तुतः प्रवासन एक-देश से दूसरे देश तथा किसी देश में एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में ~~प~~ चलता रहता है। जब प्रवासन को संसाधनों की उपलब्धता के अनुकूल प्रबंधित किया जाता है तो उस क्षेत्र में संसाधनों का अनुकूलतम उपयोग संभव हो पाता है जिसके आर्थिक क्रियाकलापों में वृद्धि के साथ नियोजित व्यवस्था का जन्म होता है और समुदायों की सभी आवश्यकताओं पूर्ति संभव हो पाती है जिससे समावेशी विकास को बढ़ावा मिलता है।

वैश्विक स्तर पर वर्तमान में देखे तो विकसित देशों में जनसंख्या



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वृद्धि दर में गिरावट आने के कारण वृद्धों की संख्या में वृद्धि हो रही है इसलिए वहाँ वृद्धों की देखभाल तथा आर्थिक एवं राजनीतिक क्रियाकलापों को सुचारु रूप से चलाने हेतु विकासशील देशों से युवाओं का प्रवास करना आवश्यक हो जाता है।

गौरतलब है कि अमेरिका, यूरोप में भारतीय तथा चीनी नागरिकों के प्रवास ने ही वहाँ की मानव संसाधनों की आवश्यकता को पूरा किया है। अमेरिकी सिलीकन वैली में भारतीयों के योगदान को नकारा नहीं जा सकता है।

भारत के 18 मिलियन लोग विदेशों में रहते हैं जो शिक्षा तथा रोजगार की तलाश में गए हैं।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

2021 की विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार विश्व में सर्वाधिक रेमिटेंस भारत को ही प्राप्त हुआ है। (87 बिलियन डॉलर)

वस्तुतः रेमिटेंस भारत के फॉरेक्स रिजर्व में योगदान देता है तथा देश में आर्थिक क्रियाकलापों को बढ़ावा देता है।

वैश्विक स्तर पर प्रवासन ने नई-नई सभ्यताओं तथा संस्कृतियों के प्रसार के साथ-साथ शब्दों का भी प्रसार किया। भारत में स्वतंत्रता, समानता तथा बंधुत्व एवं लोकतांत्रिक प्रणाली की उपस्थिति यूरोपीय लोगों द्वारा प्रसारित की गई, जिसने समाज में प्रचलित प्राचीन वर्णव्यवस्था तथा जातिव्यवस्था के कारण पीड़ित लोगों को अधिकार दिलाने में मदद की।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

यद्यपि अनियंत्रित प्रवास नई-नई समस्याओं को जन्म देता है। भारत के सन्दर्भ में हम देख सकते हैं कि रोजगार तथा सुविधाओं की तलाश में ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों की ओर प्रवास निरंतर जारी है जिसने शहरी अवसंरचना पर दबाव उत्पन्न किया है तथा झुग्गी-झोपड़ियों के विकास के कारण अपराध की दरों में वृद्धि हुई है तथा इन लोगों को आधारभूत सुविधाएँ, रोटी, कपड़ा, मकान तथा स्वास्थ्य एवं शिक्षा भी उपलब्ध नहीं हो पाती है।

दिल्ली, मुंबई तथा कोलकाता जैसे शहरों में मलिन बस्तियों के निर्माण ने अतिक्रमण की समस्या तथा नदियों में प्रदूषण (दिल्ली में यमुना तथा मुंबई में मीठी नदी) के साथ यातायात की समस्या को उत्पन्न किया है।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मुंबई की धारावी बस्ती विश्व की सबसे बड़ी मलिन बस्ती के रूप में जानी जाती है। मलिन बस्तियों के कारण अनियोजित विकास को बढ़ावा मिला है जिससे शहरों में फ्लैश फ्लड की समस्या तथा जल की कमी जैसी समस्याएँ उत्पन्न होती है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार 2050 तक भारत की 50% आबादी शहरों में रहने लगेगी। इसलिए हमें शहरी नियोजन पर बल देते हुए टियर-2 तथा टियर-3 शहरों के विकास के साथ-साथ स्मार्ट सिटी, अमृत मिशन, तथा स्मार्ट विलेज की परिकल्पना को सिद्ध करना होगा तथा जनसंख्या को कौशल प्रदान करके देश के विकास में उनका योगदान बढ़ाना होगा।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation



उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वस्तुतः प्रबंधित प्रवासन संसाधनों के अनुकूलतम उपयोग के साथ आर्थिक क्रियाकलापों में योगदान देता है जिससे विकासीय गतिविधियाँ बढ़ती है तथा हमारे राष्ट्रीय हितों को साधने में भी हम सक्षम हो पाते है।

भारत में सीमाई क्षेत्रों से लोगों के प्रवासन को नियंत्रित करके वहाँ आधारभूत अवसंरचना के विकास को बढ़ावा दिया जाना आवश्यक है ताकि अन्तर्राष्ट्रीय सीमाओं की सुरक्षा में स्थानीय लोगों का सहयोग प्राप्त किया जा सके।

भारत से वैश्विक स्तर पर भी प्रबंधित प्रवासन ही भारतीय संस्कृति के प्रसार को सकारात्मकता प्रदान करेगा तथा हमारी सॉफ्ट पावर में वृद्धि करेगा। किन्तु चीनियों की आक्रामक



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

रणनीति अरब देशों एवं इस्लामी देशों से प्रवास ने आतंकवाद जैसी घटनाओं को बढ़ाया तथा चीनियों के इन्हें देशों के मामलों में हस्तक्षेप ने इनके खिलाफ वैश्विक स्तर पर विरोध की घटनाएँ देखी जा सकती हैं जो इन देशों की छवि को खराब करती हैं।

भारत की सॉफ्ट पावर रणनीति तथा प्रवासियों द्वारा सर्वधर्म समभाव एवं सहिष्णुता जैसे मूल्यों के प्रसार ने भारत के राष्ट्रीय हितों को साधने में योगदान दिया है। 21 जून को योग दिवस मनाना वैश्विक स्तर पर भारतीय रणनीति का सफल उदाहरण है।

भारत के आंतरिक प्रवास को प्रबंधित किए जाने की आवश्यकता है ताकि सभी क्षेत्रों का ~~अनुकूलतम~~ समावेशी



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

विकास संभव हो सके। भारत में ग्रामीण क्षेत्रों का विकास करके बड़ी जनसंख्या को रोजगार उपलब्ध कराये जाने की आवश्यकता है तथा कम-अर्बन मिशन को लागू करके ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर प्रवास को निर्धारित किया जा सकता है तथा मनरेगा जैसे कार्यक्रम को कुशल श्रम से जोड़कर इसकी उत्पादकता में वृद्धि की जा सकती है।

निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि जब प्रवसन को अच्छी तरह से प्रबंधित किया जाता है तो यह संसाधनों का अनुकूलतम उपयोग सिद्ध करके अर्थव्यवस्था के विकास में योगदान देता है तथा देश के राष्ट्रीय हितों को राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर साधता है।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation